रजि. 2199-57 ❋ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ❋ जनवरी-मार्च, 2026

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ

संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर

वर्ष-71 अंक : 01

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.
Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com
http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की गतिविधियाँ

गणतंत्र दिवस का आयोजन : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन परिसर में दिनांक 26 जनवरी, 2026 को गणतन्त्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। आयोजन में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) तथा साक्षरता निकेतन की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर साक्षरता निकेतन की समस्त इकाईयों के अधिकारी, कर्मचारी तथा शिक्षकगण एवं छात्र सम्मिलित हुए। राष्ट्रगान के पश्चात उत्साहित विद्याथियों द्वारा देशभक्ति के नारे लगाए।

ध्वजारोहण के बाद उपस्थित समस्त अधिकारी, कर्मचारी तथा शिक्षक एवं छात्र-छात्राएँ साक्षरता निकेतन के कबीर थियेटर में एकत्र हुए। यहाँ पर वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। उपस्थित जनों ने करतल ध्वनि से छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी आई.ए.एस. (से.नि.) तथा साक्षरता निकेतन की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज का दिन राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले देशभक्तों का स्मरण करने तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का दिन है। मिष्ठान वितरण तथा सूक्ष्म जलपान के बाद समारोह का समापन हुआ। □□□

अगली पीढ़ी की शिक्षा (Next Generation Education)

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ के विवेकानन्द हाल में अगली पीढ़ी की शिक्षा (Next Generation Education) हेतु एक कार्यक्रम दिनांक 28 मार्च, 2026 को आयोजित किया गया। इस आयोजन में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की समस्त इकाईयों यथा जन शिक्षण संस्थान, राज्य संसाधन केन्द्र तथा वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के समस्त अध्यापकों ने प्रतिभाग किया। आयोजन में प्रशिक्षिका सुश्री विभूति गुप्ता ने अगली पीढ़ी की शिक्षा, ए. आई. सशक्तिकरण में छात्रों की भूमिका 'Next Generation Education, Leading Learning in the age of AI-Empowerment Students' विषय पर जानकारी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि इस शिक्षा के माध्यम से छात्रों में रचनात्मकता, भावात्मक, बुद्धिमत्ता तथा कौशल का विकास होगा, जिससे वह समाज की वास्तविक चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। □□□

कृषि प्रक्षेत्र नीवां एवं बिजनौर की गतिविधियाँ

कृषि प्रक्षेत्र नीवां : साक्षरता निकेतन द्वारा कृषि प्रक्षेत्र नीवां की स्थापना वर्ष 1966 में कृषि कार्यों तथा कृषकों को वैज्ञानिक तरीके से खेती की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी।

कृषक प्रशिक्षण : कृषि प्रक्षेत्र पर दिनांक 19 से 21 जनवरी, 2026 के मध्य कृषकों हेतु प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकास खण्ड सरोजनीनगर एवं मोहनलालगंज के विभिन्न ग्रामों के 37 कृषकों (22 पुरुष एवं 15 महिला) ने प्रतिभाग किया।

कृषि प्रक्षेत्र बिजनौर : साक्षरता निकेतन द्वारा युवा किसान विद्यापीठ, कृषि प्रक्षेत्र बिजनौर की स्थापना वर्ष 1968 में कृषि कार्यों तथा कृषकों को वैज्ञानिक तरीके से खेती की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी।

कृषक प्रशिक्षण : कृषि प्रक्षेत्र पर दिनांक 28 से 30 जनवरी, 2026 एवं 17 से 19 फरवरी, 2026 के मध्य 02 तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विकास खण्ड सरोजनीनगर एवं मोहनलालगंज के विभिन्न ग्रामों के 111 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दोनों कृषि प्रक्षेत्रों पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कृषकों को कृषि एवं कृषि विविधिकरण से सम्बन्धित नवीन तकनीकों की जानकारी प्रतिष्ठित संस्थाओं के विषय-वस्तु विशेषज्ञों के माध्यम से प्रदान की गयी।

शैक्षिक भ्रमण : दोनों कृषि प्रक्षेत्रों पर आयोजित किये गये प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागी कृषकों में से 100 कृषकों को बस द्वारा आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्राद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या का शैक्षिक प्रशिक्षण भ्रमण दिनांक 26.02.2026 को कराया गया। शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम में बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र से 60 तथा नींवा कृषि प्रक्षेत्र से 40 कृषकों कुल 100 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विश्वविद्यालय के कृषि प्रक्षेत्र का भ्रमण कराने के साथ-साथ कृषकों को कृषि तथा बागवानी के विषय में नवीनतम जानकारी प्रदान की गयी।

खाद्य प्रसंस्करण कार्यक्रम : महिला कृषकों के लिए दिनांक 17-18 मार्च, 2026 को कृषि प्रक्षेत्र बिजनौर पर एक विशेष दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बिजनौर एवं नीवां कृषि प्रक्षेत्र के आस-पास के ग्रामों से 40 महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को मिक्स अचार, करेले का अचार, मिर्च का अचार, सहजन का अचार, सेब का जैम, टोमैटो प्यूरी आदि बनाने का सफल प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दोनों कृषि प्रक्षेत्रों पर सम्पन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समापन के उपरान्त निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा प्रतिभाग करने वाले पुरुष एवं महिला कृषकों को प्रमाण-पत्र तथा जूट बैग में कृषि सम्बन्धी उपयोगी पठन-पाठन सामग्री वितरित की गयी।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण भ्रमण में प्रतिभाग करने वाले पुरुष एवं महिला कृषकों द्वारा अत्यन्त उत्साह के साथ कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया गया तथा संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

□□□

भू-सम्पदा (रेरा) के अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा भू-सम्पदा अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण साक्षरता निकेतन परिसर में विगत वर्षों से आयोजित किया रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के मध्य हुई सहमति के आधार पर भू-सम्पदा अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण साक्षरता निकेतन परिसर में माह जनवरी तथा फरवरी, 2026 के मध्य आयोजित किया गया। जिनमें दिनांक 07 से 10 जनवरी, तक 53 अभिकर्ताओं को तथा 28 से 31 जनवरी, 2026 तक 39 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। माह फरवरी, 2026 में दिनांक 11 से 14 फरवरी, 2026 तक 43 अभिकर्ताओं को तथा पुनः दिनांक 25 से 28 फरवरी, 2026 तक 53 अभिकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में सम्मिलित सभी 188 अभिकर्ताओं को भू-सम्पदा अधिनियम के अन्तर्गत विषय विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर वांछित जानकारी प्रदान की गई।

□□□

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	न्यायमूर्ति श्री एस.यू. खान (से.नि.)	सदस्य
4.	श्री सुभाष कुमार, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
5.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
6.	श्री संजीव चोपड़ा, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	प्रोफेसर जे.वी. वैशम्पायन, शिक्षाविद्	सदस्य
9.	श्री अमर सिंह वित्त अधिकारी (से.नि.)	सदस्य
10.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
11.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
13.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
14.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
15.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
16.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
17.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
18.	श्री राजेन्द्र सिंह रावत, लेखाकार-कम-कैशियर	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	श्री रमेश चन्द्र यादव, प्रभारी परिसर/स्टोर कीपर	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
20.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. की गतिविधियाँ

बेसिक साक्षरता मूल्यांकन (एन.आई.ओ.एस.): जनपद श्रावास्ती के विकास खण्ड जमुनहा की न्याय पंचायत गौसपुर तथा बैजनाथपुर में, जनपद बाराबंकी में विकास खण्ड निन्दूरा की न्याय पंचायत कतुरी कला, अटहरा तथा दीनपनाह में तथा जनपद सीतापुर के विकास खण्ड सिधौली की न्याय पंचायत अकबरपुर रिवान तथा रायपुर कुंवरपुर में क्रमशः 20-20 कार्यात्मक साक्षरता केन्द्रों को 8 सितम्बर, 2025 से प्रारम्भ कर 06 माह तक प्रतिदिन संचालित किया गया। इन साक्षरता केन्द्रों पर प्रति केन्द्र 400-400 लाभार्थी पंजीकृत किए गए। संचालित सभी केन्द्रों के सघन पर्यवेक्षण, भौतिक सत्यापन, पठन-पाठन की स्थिति का अवलोकन तथा सभी प्रतिभागियों का उल्लास एप पर पंजीकरण कराने के उपरान्त एन.आई.ओ.एस. के माध्यम से यथा समय मूल्यांकन कराया गया।

उक्त तीनों जनपदों में प्रतिभागियों के मूल्यांकन हेतु 13-13 मूल्यांकन केन्द्र बनाए गए, जिन पर सभी पंजीकृत लाभार्थियों की मूल्यांकन परीक्षा दिनांक 15 मार्च, 2026 को एनआईओएस के माध्यम से सम्पन्न कराई गई। जनपद सीतापुर के विकास खण्ड सिधौली की न्याय पंचायतों पर संचालित साक्षरता केन्द्रों पर चिन्हित लाभार्थियों की परीक्षा एनआईओएस के माध्यम से राज्य संसाधन केन्द्र उ.प्र. के प्रशासनिक अधिकारी श्री सुधाकर मान सिंह के निर्देशन में

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-71, अंक : 01
जनवरी-मार्च, 2026

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

जनपद लखनऊ में नगर निगम के अनतर्गत दो कार्यात्मक साक्षरता केन्द्रों का संचालन भी 8 सितम्बर, 2025 से किया गया था। इनमें चयनित 40 लाभार्थियों के सापेक्ष 33 लाभार्थी उपस्थित हुए, जिनका सफलतापूर्वक मूल्यांकन दिनांक 15 मार्च, 2026 को कराया गया। संचालित उक्त सभी साक्षरता केन्द्रों के माध्यम से समाज के सभी 15 वर्ष से अधिक आयु वर्गों के असाक्षरों को साक्षर कर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सफल प्रयास किया गया। □□□

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की गतिविधियाँ

गणतंत्र दिवस का आयोजन : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन प्रांगण में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। इस अवसर पर बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) तथा साक्षरता निकेतन की निदेशिका सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आशीर्वाद एवं विदाई समारोह : अकादमी के छात्रों के लिए दिनांक 07.02.2026 को आशीर्वाद एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। इसमें विगत वर्ष 2024-2025 के कक्षा 10 के तीन मेघावी छात्रों क्रमशः कु. खुशबू को 86.5, कु. अनुष्का को 83.8 तथा कु. अफसाना खान को 83.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बोर्ड परीक्षा में किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु पुरस्कृत किया गया। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने पुरस्कार के क्रम में क्रमशः कु. खुशब को ₹10,000, कु. अनुष्का को ₹7,000.00 तथा कु. अफसाना खान को ₹5,000.00 की नकद धनराशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कक्षा 8 एवं 9 के छात्रों द्वारा अपने वरिष्ठ छात्रों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशिका सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा छात्रों को उपहार दिए गए।

पिकनिक का आयोजन : वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के कक्षा 3 से 11 तक के छात्रों हेतु को चिड़ियाघर और

म्यूजियम की सैर हेतु दिनांक 14 फरवरी, 2026 को ले जाया गया। इस दिन छात्र काफी उत्साहित थे। वहाँ विभिन्न प्रकार के जानवरों और पक्षियों को देखकर छात्रों को अपार प्रसन्नता हुई। बच्चों ने ट्वॉय ट्रेन और खाने की चीजों का काफी आनन्द लिया।

सह-पाठ्यक्रम गतिविधि : अकादमी के कक्षा 8 के छात्रों हेतु उनकी छिपी हुई प्रतिभा को निखारने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (I am remarkable) मैं असाधारण हूँ, की थीम पर आधारित यह कार्यक्रम दिनांक 17 फरवरी 2026 को आयोजित हुआ। अन्तर्राष्ट्रीय कोच और मनोवैज्ञानिक सुश्री सौम्या जी के निर्देशन में यह आयोजन सम्पन्न हुआ। इसमें बच्चों को उनके अन्दर छिपे हुए गुणों को निखारने और उनमें आत्म जागरूकता विकसित करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। □□□

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

बंसत पंचमी पर्व का आयोजन : जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के गाँधी ग्राम स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में दिनांक 23 जनवरी, 2026 को बंसत पंचमी पर्व के अवसर पर सरस्वती पूजन आयोजित किया गया। आयोजन में प्रशिक्षिका कविता मिश्रा द्वारा सरस्वती देवी के चित्र पर माल्यार्पण के उपरान्त सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गयी।

गणतंत्र दिवस का आयोजन : दिनांक 26 जनवरी, 2026 को गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर संस्थान, के कार्यालय प्रांगण में निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा झण्डारोहण किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के कर्मचारीगण, प्रशिक्षिका तथा काफी संख्या में प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

वेण्डर डेवलेपमेंट प्रोग्राम का आयोजन : दिनांक 03 एवं 04 फरवरी, 2026 को एम.एस.एम.ई. विकास कार्यालय, कानपुर द्वारा दो दिवसीय वेण्डर डेवलेपमेंट प्रोग्राम सह एम. एस.एम.ई. एक्सपो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों, विभागों, बैंकों एवं जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के लाभार्थियों द्वारा निर्मित उत्पादों का स्टाल लगाया गया। एम.एस.एम.ई. विकास कार्यालय, कानपुर के अधिकारियों द्वारा उत्पादों की प्रशंसा की गयी।

प्रमाण-पत्र वितरण : दिनांक 19 फरवरी, 2026 को जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के बारातशाला कैण्ट स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में असिस्टेंट ड्रेस मेकर प्रशिक्षण के सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में श्री अतुल शुक्ला, कोआर्डिनेटर, स्किल डेवलेपमेंट सेंटर, कैण्ट बोर्ड, कानपुर द्वारा प्रतिभागियों को भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार की ओर उन्मुख होने के लिये जागरुक किया गया। इसी क्रम में पैतृक संस्था इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार श्री प्रवीण टंडन एवं विशेष कार्याधिकारी श्री अनूप श्रीवास्तव ने दिनांक 26 फरवरी, 2026 को संस्थान द्वारा संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों का निरीक्षण किया एवं सफल लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये।

प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम : जन शिक्षण संस्थान, कानपुर के सिविल लाइन्स स्थित कार्यालय परिसर में दिनांक 28 फरवरी एवं 02 मार्च, 2026 को दो दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षकों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्री अमित बाजपेयी, सहायक निदेशक, एम.एस.एम.ई., को संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने सम्बोधन में इम्प्लाइबिलिटी एवं कम्युनिकेशन स्किल की जानकारी प्रदान करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया। वहीं संस्थान के निदेशक श्री सुशील पाठक ने सिद्ध पोर्टल पर ई-केवाईसी के माध्यम से प्रतिभागियों के पंजीकरण तथा एन. एस.क्यू.एफ. लेवल, डिजिटल लिटरेसी आदि की जानकारी प्रदान की। उक्त अवसर पर प्रशिक्षकों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये गये।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस : दिनांक 08 मार्च, 2026 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के कार्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा मुख्य अतिथि श्रीमती आभा चतुर्वेदी, हिन्द महिला सभा एवं विशिष्ट अतिथि श्री दिनेश सिंह भोले, जनरल सेक्रेटरी, संविदा कर्मचारी संगठन, केस्को, कानपुर को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षणार्थी सुश्री अंजलि, श्वेता, अनुज गौर, पूजा, हिमांशी

सिंह, आस्था, वैभवी सैनी ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये।

मुख्य अतिथि श्रीमती आभा चतुर्वेदी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को अपने हक के लिये संघर्ष करने तथा स्वयं की पहचान बनाने के लिए जागरूक किया गया। संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने महिलाओं के उत्थान हेतु सरकार द्वारा संचालित किये जा रहे कार्यक्रमों से अवगत कराया।

प्रदर्शनी सह ट्रेड फेयर : एम.एस.एम.ई. विकास कार्यालय, कानपुर द्वारा आयोजित पीएम विश्वकर्मा प्रदर्शनी सह ट्रेड फेयर-2026 में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा स्टॉल लगाया गया। स्टॉल पर उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री, लघु एवं मध्यम उद्यम, माननीय राकेश सचान जी, गोविन्द नगर विधानसभा के विधायक श्री सुरेन्द्र मैथानी, कल्याणपुर विधानसभा विधायिका श्रीमती नीलिमा कटियार ने भ्रमण किया एवं प्रतिभागियों द्वारा बनाये गये उत्पादों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान, कानपुर को सहभागिता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

क्षमता संवर्धन कार्यक्रम : जन शिक्षण संस्थान, कानपुर द्वारा दिनांक 25 मार्च, 2026 को संस्थान के प्रशिक्षक/प्रशिक्षिकाओं हेतु क्षमता संवर्धन कार्यक्रम कार्यालय परिसर में प्रशिक्षिका कविता मिश्रा, गेस्ट फैकल्टी श्री संजय भारतीय (मार्केटिंग, एम.एस.एम.ई.) के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर अतिथि महोदया ने प्रशिक्षिकों को सफलता के सूत्र तथा चरित्र निर्माण की आवश्यकता की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संदर्भदाता द्वारा प्रतिभागियों के कौशल को निखारने हेतु वांछित सभी जानकारी प्रदान किया जाना आवश्यक होता है। इससे ही प्रशिक्षण के उपरान्त प्रतिभागी अपने कौशल के माध्यम से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगे।

संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने कहा कि संस्थान भारत सरकार के निर्देशानुसार स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण संचलित कर प्रतिभागियों को स्वरोजगार/रोजगार में सृजित करने हेतु अग्रसर है। इस कार्यक्रम में संस्थान के 33 प्रशिक्षकों ने प्रतिभाग किया ।

□□□

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम : जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ द्वारा प्रशिक्षकों, प्रशिक्षणार्थियों एवं संस्थान के कर्मचारियों के लिए आयोजित दो दिवसीय क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम का समापन 02 जनवरी, 2026 को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी के मार्गदर्शन में किया गया।

समापन समारोह में जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल एवं इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार प्रवीण टंडन द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मयंक अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं के आत्मनिर्भर होने से न केवल परिवार बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था सशक्त होती है। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार प्रवीण टंडन ने पी.पी.टी. के माध्यम से आजीविका से जुड़कर स्वयं को आगे बढ़ाने के विभिन्न तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी और प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

कलात्मक वस्तुओं के विशेषज्ञ एवं डिजाइनर के. के. श्रीवास्तव ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों से कलात्मक उत्पादों द्वारा आय संवर्धन की संभावनाओं एवं उनकी

पहचान पर प्रकाश डाला। इसी सत्र में संस्थान के निदेशक सौरभ कुमार खरे ने सिद्ध पोर्टल के विभिन्न टैबों का सजीव प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इससे प्रतिभागियों को डिजिटल प्लेटफार्म की कार्यप्रणाली को समझने में सहायता मिली। कार्यक्रम में तपन साहू, शुभम मिश्रा, आदित्य मिश्रा, गौरी शंकर सिंह, प्रशिक्षिकाएँ अंचला देवी, अनीता यादव, सोनी शर्मा एवं प्रियंका त्रिपाठी उपस्थित रहीं।

इसी क्रम में दिनांक 12 एवं 13 जनवरी 2026 को भी क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के निदेशक सौरभ कुमार खरे द्वारा विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर बैंक आफ इण्डिया के प्रबधक श्री नरेन्द्र द्वारा साइबर क्राइम तथा आनलाइन ठगी के तरीकों से बचाव के प्रति प्रतिभागियों को जागरूक किया गया।

धूमधाम से मनाया गया गणतन्त्र दिवस : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस आयोजन में जन शिक्षण संस्थान लखनऊ, द्वारा उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजय आर. भूसरेड्डी (आई.ए.एस.) के साथ मातृ संस्था की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी आई.ए.एस.(से.नि.) एवं जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री भूसरेड्डी ने स्वतन्त्रता उपरान्त गणतन्त्र की स्थापना एवं उनके उद्देश्यों का पूर्णतः पालन करते हुए देश, समाज एवं व्यक्ति के विकास की अवधारणा को स्पष्ट किया।

इस अवसर पर संविधान की शपथ का वाचन कराया गया। जन शिक्षण संस्थान लखनऊ में सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठी एवं प्रतियोगिओं के माध्यम से अपने कौशल्य का प्रदर्शन भी किया। निदेशक सौरभ कुमार खरे ने अंशिका शुक्ला, नेहा सिंह चौहान, वैष्णवी सिंह, श्रेया, स्वेक्षा, स्नेहा, मीनाक्षी, अमिता, मानसी को उनके कौशल प्रदर्शन पर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान के श्री तपन साहू, शुभम मिश्रा, आदित्य मिश्रा, गौरी शंकर सहित अनुदेशिका सुश्री प्रियंका त्रिपाठी उपस्थित रहीं।

क्षमता संवर्धन कार्यक्रम : कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जन शिक्षण संस्थान लखनऊ (साक्षरता निकेतन) में एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन सुश्री सन्ध्या तिवारी आई.ए.एस. (से.नि.) द्वारा किया गया। इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे ने एम्प्लायबिलिटी स्किल्स के समस्त 12 माड्यूल को ऑडियो-वीडियो का प्रयोग करते हुए पठन-पाठन के तरीके बताये। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में आई. एम. रिमार्केबल की वरिष्ठ परामर्श दात्री एवं विभिन्न राष्ट्रों के प्रतिष्ठानों की सलाहकार सुश्री सोमिया तेवारी द्वारा स्व-आत्म विकास एवं बिल्ड योर कान्फिडेंस विषय पर भौतिक रूप से व्याख्यान दिया गया। सुश्री सोमिया ने प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थी एवं रिसोर्स पर्सन के व्यक्तित्व विकास, मनोविकास एवं सर्वांगीण विकास की पद्धति को समझाया।

अन्तर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस : दिनांक 22.02.2026 को संस्थान द्वारा संचालित प्रशिक्षण केन्द्र धर्मावत खेड़ा तथा कारोरा पर अन्तर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के अवसर पर गोष्ठी एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मातृ भाषा के विषय में प्रशिक्षणरत् प्रशिक्षाणार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये और मातृ भाषाहिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया।

इसी के साथ प्रशिक्षण केन्द्र धर्मावत खेड़ा में असिस्टेंट ड्रेस मे कर एवं दर्जी एडवांस के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि श्री विष्णुशंकर पाल, सहायक कार्यक्रम अधिकारी शुभम मिश्रा तथा प्रशिक्षिका कृष्णावती तथा प्रियंका त्रिपाठी सहित 60 लाभार्थी उपस्थिति रहें।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस : संस्थान द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या दिनांक 07 मार्च 2026 को मा. अध्यक्ष, जन शिक्षण संस्थान श्री संजय आर. भूसरेड्डी, एवं प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों द्वारा संस्थान के 03 प्रशिक्षक, 01 स्वयं सहायता समूह, 02 लोन लेकर अपना रोजगार स्थापित करने वाले तथा 09 सफल महिला लाभार्थियों को जिन्होंने अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर अपनी आय में वृद्धि की, उन्हें प्रशस्ति पत्र, मोमेंटों एवं अंगवस्त्र पहना कर सम्मानित किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस दिनांक 08 मार्च, 2026 के अवसर संस्थान परिसर में श्री सौरभ कुमार खरे की अध्यक्षता में समस्त महिला प्रशिक्षकों हेतु गोष्ठी का आयोजन करते हुए प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

□□□

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

क्षमता अभिवृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 24 व 25 जनवरी, 2026 को राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान देहरादून के सभागार में संदर्भदाताओं के लिए दो दिवसीय 'क्षमता अभिवृद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल, निसबड के कार्यक्रम निदेशक श्री बी. एस. सजवाण, मुख्य परामर्शदाता सुश्री दीपा शर्मा, मुख्य परामर्शदाता श्री हारुण व उक्त प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर रहे 32 प्रतिभागी सम्मलित हुए।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से संदर्भदाताओं को नवीन जानकारियाँ प्राप्त होती हैं, जिससे व्यावसायिक प्रशिक्षण के दौरान उनके अपने प्रशिक्षणार्थियों को भी इसका लाभ मिलता है। उन्होंने सभी सदंर्भदाताओं से अपेक्षा की कि समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का समुचित लाभ मिले, जिससे हमारा समाज आर्थिक स्वावलम्बन की ओर अग्रसर हो।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष रूप उद्यमिता पर बल दिया गया। इसमें विशेष रूप से उद्यमिता के लिए प्रेरणा, उद्यमी, उद्यमिता व उद्यम, रोजगार के अवसरों की पहचान, सफल उद्यमी के साथ चर्चा, महिला उद्यमी व स्वयं सहायता समूहों का गठन, उद्यमिता के लिए पारिस्थितिकी तंत्र,. बाजार सर्वेक्षण के सम्बन्ध में चर्चा, बिजनेस प्लान के लिए बैंको से वित्तीय प्रक्रिया व ऑपचारिकताओं की जानकारी, छोटे व्यवसाय से सम्बन्धित जरूरी अकाउण्टिंग व टैक्स के सम्बन्धित जानकारियों पर चर्चा की गई। स्व रोजगार स्थापित करने के लिए किस तरह से सरकारी योजनाएँ मददगार साबित हो सकती हैं तथा इन योजनाओं का किस तरह से लाभ उठाया जा सकता है आदि के बारे में बताया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अतिसूक्ष्म, विभिन्न ऋण सम्बन्धी योजनाओं आदि पर भी विस्तार से जानकारी साझा की गई। इसके अतिरिक्त स्वरोजगार स्थापित करने और सफल उद्यमी बनने के सम्बन्ध में टिप्स दिए गए। अच्छे उद्यमी में आत्म विश्वास, जोखिम लेने की क्षमता पर चर्चा की गई।

प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 17.01.2026 के अवसर पर वित्तीय वर्ष 2025-26 में संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों के सफल प्रशिक्षणार्थियों को बद्रीपुर, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा डुंगराकोटी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मस्तीजादे फाउण्डेशन के निदेशक श्री अमित बर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री अनुराधा भान, जन शिक्षण संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह, संदर्भदाता सुश्री राजकुमारी, श्रीमती पूजा व प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के आरम्भ में संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह द्वारा मंचासीन मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए जन शिक्षण संस्थान की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की गई। संस्थान प्रत्येक वित्तीय वर्ष में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत कार्य योजना के अनुसार व्यावसायिक कार्यक्रमों का संचालन आवश्यक दिशा-निर्देशों के अनुसार करता है।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा डुंगराकोटी ने संस्थान के कार्यों की सराहना

करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का सपना है कि आज के समय में हम सभी को किसी न किसी कौशल का ज्ञान होना आवश्यक है। आज प्रत्येक युवा के लिए स्किलिंग, रिस्किलिंग व अपस्किलिंग एक जरूरत है।

प्रमाण पत्र वितरण के इसी क्रम में दिनांक 02.03.2026 के अवसर पर विकास खण्ड डोईवाला, ऋषिकेश के अन्तर्गत संचालित केन्द्रों के सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुनि की रेती, ढालवाला, नगर पालिका अध्यक्षा सुश्री नीलम विजल्वाण, जन शिक्षण संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह, संदर्भदाता सुश्री ज्योति उनियाल, श्री शिवप्रसाद घिल्डियाल प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के आरम्भ में संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह ने बताया कि जन शिक्षण संस्थान भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों को व्यावसायिक दक्षता के साथ ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों के ज्ञान और समझ की सीमा का विस्तार करना और आस-पास के माहौल के प्रति जागरुकता पैदा करना भी है। इसके अलावा जीवन समृद्धि शिक्षा पर भी जोर दिया जाता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुश्री नीलम विजल्वाण ने अपने सम्बोधन में जन शिक्षण संस्थान द्वारा चलाए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए प्रत्येक युवा को कौशल से जुड़ने का आवाहन किया गया।

प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम के अवसर पर संदर्भदाता श्रीमती ज्योति उनियाल व श्री शिवप्रसाद घिल्डियाल ने अपने अनुभव साझा किए। आज के समय में पढ़े-लिखे बेरोजगारों की संख्या बहुत अधिक है। सरकारी नौकरी व रोजगार सीमित होने के कारण आज के परिवेश में युवाओं को कम से कम एक कौशल का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है। जिसके आधार पर वह कोई उद्यम स्थापित कर अपना जीवन यापन कर सकते हैं। अन्त में सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री बचन सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया। □□□

सौ बातों की एक बात : सोच-समझ कर लें उधार

उधार अथवा ऋण वह राशि है जो कोई एक व्यक्ति अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए किसी दूसरे व्यक्ति, महाजन, साहूकार, बैंक अथवा प्राइवेट फर्म से प्राप्त करता है। यह उधार ली गई धनराशि उसे उधार देने वाले व्यक्ति अथवा संस्था को एक निश्चित अवधि के भीतर ब्याज सहित वापस देनी होती है। इसलिए उधार लेने वाले व्यक्ति को बहुत ही सावधानीपूर्वक अपनी आवश्यकता की गम्भीरता को देखते हुए ही ऋण लेने पर विचार करना चाहिए।

प्रायः उधार देने वाली संस्था अथवा व्यक्ति अपने द्वारा दिए गए उधार ऋण के बदले अपनी दी हुई राशि की सुरक्षा के लिए पर्याप्त मूल्य की सम्पत्ति, गहने आदि गिरवीं या बंधक के रूप में रखता है। इसके लिए एक समझौता पत्र भी तैयार किया जाता है। इस पत्र में यह उल्लिखित होता है कि यदि उधार लेने वाला व्यक्ति निर्धारित समयावधि में लिये गए ऋण भुगतान ब्याज सहित नहीं कर पाता है तो उसके द्वारा बंधक अथवा गिरवी रखी गई वस्तु या सम्पत्ति से उसका अधिकार समाप्त हो जाएगा। इस प्रकार वह बंधक रखी वस्तु ऋण दाता की हो जाएगी।

पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति, बच्चों की शिक्षा, विवाह अथवा अपना मकान बनवाने के लिए प्रायः व्यक्ति को कभी न कभी उधार लेना ही पड़ता है। वस्तुतः ऋण से प्राप्त धनराशि के द्वारा व्यक्ति को अपनी पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग मिलता है। ऋण से व्यक्ति को अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति, बच्चों की शिक्षा में सुचारूता, अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने तथा किसी अन्य आपातकालीन स्थिति से निपटने में मदद मिलती है। फिर भी यह आवश्यक है कि उधार लेने वाले व्यक्ति को अपनी आवश्यकता की गम्भीरता और अपनी उधार चुकता करने की क्षमता को ध्यान में रखकर ही उधार लेना चाहिए,

जिससे वह उधार ली गई धनराशि को समय से चुकता कर सके।

उचित यह है कि व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं और अपने शौक सीमित रखे, जिससे उधार न लेना पड़े। यदि आपको बार-बार उधार लेना पड़ रहा है अथवा आप एक लोन को चुकता करने के लिए पुनः दूसरा लोन ले रहे हैं तो निश्चय ही आप लोन के कुचक्र में फँसते जा रहे हैं। यह एक ऐसा चक्रव्यूह है, जिससे निकल पाना काफी मुश्किल होता है। यदि आप ऋण के कुचक्र में फँस ही जाएं तो अतिरिक्त धन जुटाने के स्रोतों पर विचार करें। जैसे अपने वर्तमान कार्य के अतिरिक्त कोई अन्य अंशकालिक कार्य तलाशें जिससे प्राप्त अतिरिक्त आय से ऋण सुगमतापूर्वक और निर्धारित समय पर चुकता किया जा सके।

यदि आपने बैंक से ऋण लिया है और उसकी मासिक किश्तें समय से चुकता नहीं कर रहे हैं और नब्बे दिन से अधिक का समय हो गया है तो बैंक ऋण वसूली की कार्यवाही प्रारम्भ कर सकता है। होम लोन आदि के लिए बैंक द्वारा बंधक रखी सम्पत्ति को वापस लेने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा सकती है।

यह स्पष्ट है कि उधार की धनरशि पर ब्याज जुड़ने के बाद कुल अदा की जाने वाली राशि काफी बढ़ जाती है। यह भी सम्भावना होती है कि समय पर ऋण न चुका पाने से व्यक्ति पर कर्ज का बोझ और अधिक बढ़ सकता है। इससे ऋण लेने वाले व्यक्ति को मानसिक तनाव हो सकता है। पारिवारिक कलह हो सकती है। ऋण लेने वाले व्यक्ति के साथ सम्बन्ध खराब हो सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड के कर्ज से बचें : आजकल युवाओं में क्रेडिट कार्ड का प्रयोग काफी बढ़ रहा है। जब और जहाँ कोई जरूरत पड़ी तुरन्त ही क्रेडिट कार्ड के माध्यम से उस जरूरत को पूरा कर लिया। परन्तु उसकी किश्त समय से चुकता नही कर पाते हैं। उन्हें इस पर अति उच्च ब्याज दर से जुर्माना भी अदा करना पड़ता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति तथा वर्तमान जरूरतों पर एक अनावश्यक बोझ पड़ता है।

हाँ, यदि आप निर्धारित अवधि के भीतर ऋण राशि भुगतान करने की स्थिति में हैं तो आप अपने ऋण को अदा करने के लिए क्रेडिट कार्ड बैलेंस ट्रांस्फर का विकल्प चुन सकते हैं। इस सुविधा के द्वारा आप एक क्रेडिट कार्ड से दूसरे नए क्रेडिट कार्ड में अपेक्षाकृत कम ब्याज दर के साथ अपने लोन का बैलेंस ट्रांस्फर करा सकते हैं।

एक बहुत पुरानी कहावत है : उधार प्रेम की कैंची है। इसका तात्पर्य यह है कि जिस प्रकार कैंची कपड़े को काट देती है उसी प्रकार मित्रों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों से लिया गया उधार आपसी सम्बन्धों तथा भाई चारे को समाप्त कर देता है। समय पर उधार अदा न कर पाने की स्थिति में उधार देने वाले के मन में अविश्वास और नाराजगी उत्पन्न हो जाती है। प्राचीन काल में उधार को सिर पर भारी बोझ समझा जाता था। आजकल लोग कर्ज लेकर मकान, कार, फ्रिज, सोफा, टी.बी. आदि ऐशो आराम की चीजें एकत्र कर लेते हैं। फिर हर माह किश्तें अदा करते रहते है। पूरा जीवन उधार के चक्कर मे ही बीतता है। इसी लिए पुराने लोग कहते थे कि जितनी चादर हो उतने ही पैर पसारने चाहिए अर्थात जितनी आमदनी हो उतने में ही गुजर बसर करना चाहिए।

इस पर भी यदि आप किन्हीं कारणों से अपना ऋण अदा नहीं कर पा रहे हैं तो अधिक तनाव लेने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि जीवन रहेगा तो आप निकट भविष्य में भी अपने ऋण की अदायगी कर सकते हैं। आप यह भी जान लें कि मात्र ऋण अदा न कर पाने के लिए आपको जेल नहीं भेजा जा सकता। क्योंकि यह कोई आपराधिक कृत्य नहीं है। ऋण एक दीवानी प्रकरण है, आपराधिक नहीं। ऋण अदा न करने पर ऋणदाता आपसे अपनी धनराशि की वसूली के लिए आवश्यक न्यायिक प्रक्रिया अपना सकता है, जिसका आपको सामना करना पड़ेगा। न्यायिक प्रक्रिया के अन्तर्गत आपको अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा जिसमें आप ऋण न अदा कर पाने का कारण स्पष्ट कर सकते हैं। आपके कारणों से सन्तुष्ट होने पर कोर्ट द्वारा आपको यथोचित ब्याज सहित ऋण अदा करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा। कुल मिलाकर किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखें। उधार वापसी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए बहुत जरूरी होने पर ही उधार लें।

□□□

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर उजाला- ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।
सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव